



**Teachers of Bihar**  
**The Change Makers**

**सुरक्षित शनिवार एवं  
बैगलेस डे साप्ताहिकी**

**द्वितीय शनिवार**

**11 अप्रैल 2026**



**Teachers of Bihar**  
The Change Makers

# सुरक्षित शनिवार एवं बैंगलेस डे साप्ताहिक

द्वितीय शनिवार - 11 अप्रैल 2026

## विषय परिचय :-



बाल प्रेरकों का चयन



हजार्ड हंट



विद्यालय आपदा प्रबंधन  
समिति का गठन/पुनर्गठन



एवं योजना का निर्माण।



# बाल प्रेरकों का चयन (चयन प्रक्रिया)



## उद्देश्य:

बच्चों में नेतृत्व क्षमता और आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता विकसित करना।



## चयन का आधार:

अच्छे संवाद कौशल वाले बच्चे।



# बाल प्रेरकों का चयन (चयन प्रक्रिया)

## संख्या निर्धारण:



**प्राथमिक विद्यालय:** कक्षा 4 और 5 से 4-5 बच्चे (ताकि अगली कक्षा में जाने पर कार्य बाधित न हो)।



**मध्य विद्यालय:** कक्षा 6, 7 और 8 से 3-3 बच्चे।



**विशेष नोट:** बाल संसद और मीना मंच के छात्र-छात्राओं को भी इसमें शामिल किया जा सकता है।



Teachers of Bihar - The Change Makers

# बाल प्रेरकों की भूमिका



**प्रशिक्षण:** इन्हें भूकंप, बाढ़, अगलगी, वज्रपात, सड़क दुर्घटना और स्वच्छता जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया जाएगा।



**पीयर एजुकेशन:** ये बच्चे विद्यालय के अन्य बच्चों को आपदा से बचाव के कौशल सिखाएंगे।



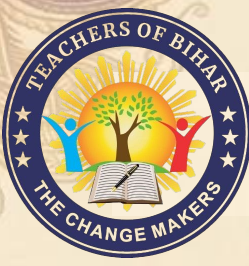
**साप्ताहिक जिम्मेदारी:** प्रत्येक शनिवार को सुरक्षित शनिवार की गतिविधियों में सहयोग करना।



**क्षमता विकास:** शिक्षको द्वारा इनका नियमित क्षमता संवर्धन किया आवश्यक है



Teachers of Bihar  
The Change Makers



Teachers of Bihar

# हजार्ड हंट (जोखिम) की प्रक्रिया



## हजार्ड हंट क्या है?

विद्यालय परिसर के अंदर  
और बाहर संभावित खतरों  
की पहचान करना।



Teachers of Bihar  
The Change Makers



# Teachers of Bihar

## The Change Makers

### हजार्ड हंट (जोखिम पहचान) की प्रक्रिया

1.



विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति, शिक्षक और बच्चे एक जगह एकत्रित होंगे।

2.



बच्चों को खतरों के महत्व और उनके प्रभाव के बारे में जानकारी देना।

3.



बच्चों को 4 से 6 समूहों में बाँटना (प्रति समूह अधिकतम 10 बच्चे)।

4.



30-45 मिनट का समय देकर विद्यालय का भ्रमण और खतरों को नोट करना।



Teachers of Bihar  
The Change Makers

# हजार्ड हंट - चेकलिस्ट (क्षेत्र)



पीने का पानी और  
परिसर की सफाई।



विद्यालय की इमारतों में  
संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक  
जोखिम (जैसे दरारें, लटकते तार)।



मिड-डे मील और  
किचन शेड का क्षेत्र।



स्कूल आने-जाने के  
रास्ते में जोखिम।




## हजार्ड हंट - रिपोर्टिंग



रिपोर्टिंग




 उच्च (High)

- \_\_\_\_\_
- \_\_\_\_\_
- \_\_\_\_\_

 मध्यम (Medium)

- \_\_\_\_\_
- \_\_\_\_\_
- \_\_\_\_\_

 निम्न (Low)

- \_\_\_\_\_
- \_\_\_\_\_
- \_\_\_\_\_

खतरों की तीव्रता (उच्च/मध्यम/निम्न) के आधार पर सूची तैयार करना।



**Teachers of Bihar**  
The Change Makers

**विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति (SDMC) का गठन**

**SDMC का उद्देश्य**



**जोखिम कम करना**



**सुरक्षित वातावरण  
बनाना**



**विद्यालय से घर और घर से  
विद्यालय तक की सुरक्षा**



**Teachers of Bihar**  
The Change Makers

# विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति (SDMC) का गठन संरचना (अधिकतम 12-13 सदस्य)





# विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति (SDMC) के कार्य



- बैठक करना



- योजना बनाना



- निगरानी करना



- आपदा जोखिमों का  
रामन करना और  
विद्यालय को  
सुरक्षित रखना।



# Teachers of Bihar

The Change Makers

विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति (SDMC) के कार्य

## कार्ययोजना एवं बैठक का एजेंडा



• एजेंडा निर्माण



• पूर्व में किए गए कार्यों  
की समीक्षा।



• अगले माह की कार्ययोजना और  
गतिविधियों का निर्धारण।



• उत्तरदायित्व तय करना।



**Teachers of Bihar**  
The Change Makers

# विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति (SDMC) के कार्य

## अनुश्रवण



नियमित बैठकों के माध्यम से  
योजना के क्रियान्वयन की  
निगरानी करना।



**Teachers of Bihar**  
The Change Makers

# विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति (SDMC) के कार्य

प्रधानाध्यापक/शिक्षकों के लिए निर्देश



कार्यालय आदेश के माध्यम से  
चयन प्रक्रिया पूर्ण करें और पंजियों  
का संधारण करें।





**Teachers of Bihar**  
The Change Makers

# Bagless Safe Saturday

अप्रैल - द्वितीय  
शनिवार

गतिविधि का नाम :-  
**खिलौना निर्माण**

# गतिविधि एक नज़र में



**कब?**  
द्वितीय शनिवार



**समय?**  
2-3 घंटे



**कहाँ?**  
इंडोर/आउटडोर



# विकसित होने वाले कौशल

## मस्तिष्क कौशल

रचनात्मकता  
एवं नवाचार

समस्या  
समाधान



आलोचनात्मक  
सोच

पयविरणीय  
जागरुकता

## व्यावहारिक कौशल

हस्तकला एवं  
मोटर स्किल्स

टीम वर्क



प्रस्तुतीकरण

# सीखने के परिणाम

तैयार खिलौनों का आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन

पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता

खिलौनों के निर्माण में विज्ञान एवं गणित के सिद्धांतों की पहचान

अनुपयोगी/रिसाइकलेबल सामग्री का रचनात्मक उपयोग

समूह में कार्य करने एवं विचार साझा करने का अभ्यास

खिलौना निर्माण की प्रक्रिया को समझना

# मेकर्स टूलकिट: आवश्यक सामग्री

## आधार सामग्री

- अनुपयोगी प्लास्टिक, कागज, बोतल, डिब्बे, कपड़े, लकड़ी, कार्डबोर्ड

## जोड़ने वाले उपकरण

- कैंची, गोंद, टेप, धागा, रबर बैंड



## सजावट

- रंग, ब्रश, स्केच पेन, बटन, मोती, स्टिकर्स



# शिक्षकों के लिए ब्लूप्रिंट

## प्रेरित करें



निर्माण के उद्देश्य और लाभ समझाएं।  
बच्चों को विभिन्न खेलौनों के उदाहरण  
दिखाएं।

## मार्गदर्शन करें



सुरक्षित एवं सरल सामग्री का चयन  
करवाएं। प्रक्रिया समझाएं। कल्पना  
और नवाचार के लिए प्रोत्साहित करें।

## जश्न मनाएं



कक्षा में प्रदर्शन कराएं।  
बोलने के लिए प्रेरित करें।  
गतिविधि की रिपोर्ट तैयार कर  
प्रधानाचार्य/हेडमास्टर को प्रस्तुत करें।

# छात्रों के लिए आचार संहिता

## पहले योजना

खिलौना बनाने से पहले उसका डिजाइन बनाएं।

## टीम वर्क

समूह में कार्य कर रहे हैं, तो सहभागिता दिखाएं। शिक्षक के निर्देशों का पालन करें।

## निर्माण और सुरक्षा

मजबूती और कार्यक्षमता का ध्यान रखें। सामग्री का सुरक्षित उपयोग करें।

## प्रस्तुति और सम्मान

अपनी रचना को प्रस्तुत करें। साथियों के खिलौनों को देखें, सराहें और प्रतिक्रिया दें।

# प्रोजेक्ट: गाड़ी टॉय निर्माण

## आवश्यक सामग्री



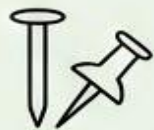
1 खाली प्लास्टिक की बोतल/  
छोटा दिब्बा (गाड़ी का शरीर)



4 टक्कन (पहिए)



2 लकड़ी की छड़/पेंसिल/स्ट्रॉ  
(धुरी)



कील/पिन (छेद करने के लिए)

# निर्माण प्रक्रिया

1

## ढांचा तैयार करें

प्लास्टिक की बोतल या डिब्बे को अच्छे से धोकर सुखा लें। यदि बोतल का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उसका ढक्कन बंद रखें।



2

## पहियों के लिए छेद बनाएं

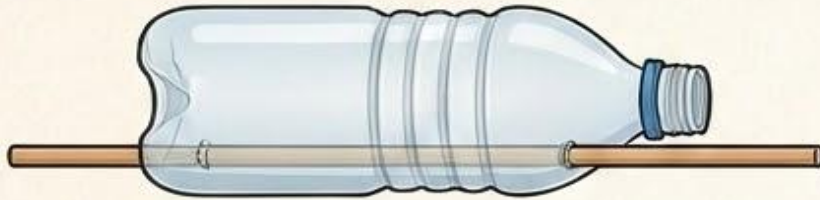
बोतल या डिब्बे के दोनों ओर (सामने और पीछे) दो-दो छेद बनाएं। ध्यान रहे: छेद इतने बड़े हों कि लकड़ी की छड़ या पेंसिल आसानी से निकल जाए।



# निर्माण प्रक्रिया

## 3 धुरी और पहिए लगाएं

**A** दोनों छड़ों को छेदों में इस तरह डालें कि वे गाड़ी के आर-पार निकल जाएं।



**B** प्रत्येक छड़ के दोनों सिरों पर एक-एक ढक्कन (पहिया) लगाएं।



**C** ढक्कनों के बीच में छेद करें और छड़ में फिक्स करें। पहियों को मजबूती से जोड़ने के लिए गोंद या टेप का प्रयोग करें।



# निर्माण प्रक्रिया

## 4

### सजावट करें

गाड़ी को स्केच पेन, रंग, स्टिकर्स आदि से सजाएं। आप चाहें तो विंडो, हेडलाइट, और नंबर प्लेट भी बना सकते हैं।



## 5

### गाड़ी को चलाकर देखें

गाड़ी को हल्के से धक्का दें और देखें कि पहिए घूम रहे हैं या नहीं।

समस्या समाधान:

यदि पहिए ठीक से नहीं घूम रहे, तो छड़ों को सीधा करें और पहियों को ढीला या कसकर लगाएं।



# प्रस्तुतीकरण और उत्सव



## साझा करें

अपनी रचना को कक्षा में प्रस्तुत करें और उसके बारे में बताएं।

## सरहना

साथियों के खिलौनों को देखें, उनकी मौलिकता की सरहना करें और रचनात्मक प्रतिक्रिया दें।

# भविष्य के अवसर



कला और  
डिज़ाइन

- खिलौना डिज़ाइनर
- शिल्पकार / आर्टिस्ट



तकनीक  
और निर्माण

इंजीनियर /  
प्रोटोटाइप  
विशेषज्ञ



नेतृत्व और  
पर्यावरण

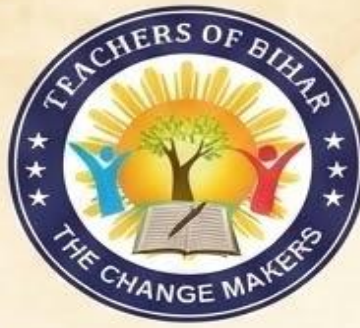
- उद्यमी - टॉप स्टार्टअप
- पर्यावरण कार्यकर्ता - रिसाइकलिंग आधारित उत्पाद
- शिक्षक

निष्कर्ष



# कबाड़ से नवाचार तक

अनुपयोगी सामग्रियों से बना हट खिलौना केवल एक वस्तु नहीं है; यह बच्चों की कल्पनाशीलता, विज्ञान की समझ, और पर्यावरण के प्रति उनकी जिम्मेदारी का जीता-जागता प्रमाण है।  
आइए, मिलकर बनाएं!




# Teachers of Bihar


## The Change Makers

# धन्यवाद

-  Publication: Teachers of Bihar
-  email: [teachersofbihar@gmail.com](mailto:teachersofbihar@gmail.com)

 Developed By: P. K. Pankaj, Head Teacher,  
P S Adalpur, Motipur, Muzaffarpur

 Proofreading By: Nivedita Rani, School  
Teacher, UMS Pupari, Kurhani, Muzaffarpur

 ToB whatsApp  
Channel: <https://whatsapp.com/channel/0029Va9AFpI65yD3brB8SI17>

Scan करें और जुड़ें

